ई संदेश

4 दिसंबर 2025 | अंक 182

सात दिन-सात पृष्ठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम् 4.0' का शुभारम्भ किया।

- गरीब से गरीब व्यक्ति भी बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने का हकदार है: मुख्यमंत्री
- भारत की राष्ट्रपति, उ0प्र0 की राज्यपाल व मुख्यमंत्री भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली तथा 19 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के समापन समारोह में सम्मिलित हुए
- उ0प्र0 आज सकारात्मक विजन के साथ आगे बढ़ रहा: मुख्यमंत्री
- धान खरीद की गति तेज की जाए, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े: मुख्यमंत्री
- पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी: मुख्यमंत्री
- काशी तमिल संगमम् भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बना: मुख्यमंत्री
- दिव्यांगजन किसी से कम नहीं हैं। उनकी हिम्मत, प्रतिभा और सफलता नए भारत की शक्ति है: मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में 02 दिसंबर, 2025 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

गरीब से गरीब व्यक्ति भी बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने का हकदार है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 27 नवम्बर, 2025 को नोएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर में मेदांता हॉस्पिटल का शुभारम्भ किया और हॉस्पिटल का भ्रमण कर उपलब्ध चिकित्सा तकनीकों और उपचार प्रणालियों का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति भी बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने का हकदार है। डबल इंजन सरकार ने प्रत्येक गरीब को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की गारण्टी दी है। उत्तर प्रदेश ने विगत 08 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बेहतरीन कदम आगे बढ़ाए हैं। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश को 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' से जोड़ा है। प्रदेश में हर जनपद में अच्छे हॉस्पिटल स्थापित हो सकें, इसके लिए लोगों को पॉलिसी के दायरे में लाकर उन्हें सुविधा देना प्रारम्भ किया गया है। हाउसिंग रूल्स में संशोधन किए गये हैं। अस्पतालों को बेहतरीन कनेक्टिविटी से जोड़ने का कार्य किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब भी हम अपने परिश्रम और प्रयास से सही दिशा को चुनते हैं, तो उसके परिणाम अच्छे आते हैं। वह नाम के साथ एक ब्राण्ड बन जाती है। आज बेहतरीन हेल्थ एवं क्वालिटी हेल्थ सर्विसेज के मामले में मेदान्ता देश में एक ब्राण्ड बना है। मेदान्ता गुड़गांव के बाद लखनऊ में मेदान्ता अस्पताल ने बेहतरीन सेवा से अपनी पहचान बनायी है। कोविड कालखण्ड के दौरान यह अस्पताल प्रदेशवासियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी दिनों से अच्छे अस्पताल की मांग की जा रही थी। इसी क्रम में आज उत्तर प्रदेश में मेदान्ता ने अपना दूसरा अस्पताल नोएडा में प्रारम्भ किया है। इस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल से उत्तर प्रदेश को निवेश और रोजगार भी मिल रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज दुनिया काफी आगे बढ़ चुकी है। आज मांग के अनुरूप हमें बेहतरीन हेल्थ सर्विसेज उपलब्ध करानी होंगी। विगत 10 वर्ष पूर्व गरीब के लिए गम्भीर रोगों का उपचार कराना एक कठिन कार्य होता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 07 वर्षों में आयुष्मान भारत योजना के तहत देश में 50 करोड़ तथा उत्तर प्रदेश में लगभग 10 करोड़ लोगों को 05 लाख रुपये प्रतिवर्ष स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के दायरे को बढ़ाने का कार्य किया गया है। जो लोग इस योजना से वंचित थे, उन्हें राज्य सरकार द्वारा इस सुविधा से जोड़ने का कार्य किया गया। साथ ही, मुख्यमंत्री राहत कोष से भी बड़ी संख्या में धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा 01 वर्ष में मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से प्रदेश में गरीबों को गम्भीर बीमारियों के इलाज हेतु 1,300 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये गए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार आई0आई0टी0 कानपुर के साथ मिलकर वहां पर मेडटेक का एक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित कर रही है। इसके माध्यम से टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए आम नागरिकों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जा सकती हैं। ए0आई0 का उपयोग करके कैथ लैब को और बेहतर बनाया जा सकता है। टेक्नोलॉजी के माध्यम से एक छत के नीचे लोगों को बेहतरीन सुविधाएं मिल रही हैं।

कोरोना कालखंड में राज्य सरकार ने टेक्नोलॉजी का उपयोग करके दूरदराज क्षेत्रों में वर्चुअल आई0सी0यू0 प्रारम्भ किये थे। यह हब एण्ड स्पोक मॉडल प्रारम्भ हुए थे। इस समय एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ और मेदांता लखनऊ ने दूरदराज के क्षेत्रों में इस प्रक्रिया को अपनाया है। पहले चरण में वर्चुअल आई0सी0यू0 के माध्यम से वहां की टीम को प्रशिक्षण देने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी गयीं, जो अनवरत रूप से आज भी जारी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि टेली कंसल्टेशन की सुविधा के माध्यम से सामान्य बीमारियों का उपचार हम कम खर्चे में कर सकते हैं। साथ ही, जिन मरीजों को हॉस्पिटल लाना आवश्यक हो, उन्हीं को डॉक्टर फिजिकल कंसल्टेशन दे सकते हैं। इस प्रकार के प्रयास को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। टेक्नोलॉजी का और बेहतर उपयोग कर अनेक समस्याओं का समाधान हो सकता है। विगत 11 वर्षों में हमने बदलते हुए प्रदेश को देखा है। हम उस दिशा में प्रयास प्रारम्भ करें कि बीमारी से लोग बच सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बस्ती तथा देवीपाटन मण्डल के जनपदों में इंसेफेलाइटिस से प्रति वर्ष 1,200 से 1,500 बच्चों की मौत हो जाती थी। गोरखपुर में एकमात्र स्वास्थ्य का केन्द्र गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज था। इस मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होने से इसकी स्थिति काफी खराब थी। वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री पद का कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त उन्होंने शासन के विभिन्न विभागों की एक टीम बनाकर अभियान प्रारम्भ कराया। स्वास्थ्य विभाग को इस टीम का नोडल विभाग बनाया गया। परिणामस्वरूप मात्र 02 वर्षों में इन्सेफेलाइटिस को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया गया। आज इस क्षेत्र में इन्सेफेलाइटिस से कोई मौत नहीं होती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में आज स्वास्थ्य सुविधाएं अच्छी हो गई हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बीमारी का उपचार अच्छी बात है। लेकिन उससे भी अच्छी बात होगी कि हम बीमारी से बचाव का मार्ग लोगों को बता सकें। यदि एक योग्य डॉक्टर यह बताएगा, तो बहुत सारे लोगों के जीवन को बचाने में एक बड़ी मदद हो सकेगी। एक चिकित्सक के नाते यह मानवता पर आपका बहुत बड़ा उपकार होगा। आपके हाथ और आपकी जुबान में लोगों को बचाने की ताकत है और उसका बेहतर उपयोग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अस्वस्थ होता है, तब वह मन से अस्वस्थ होता है, लेकिन जब एक चिकित्सक उस व्यक्ति को बोलता है कि आप स्वस्थ हैं, तो वह अपने आपको स्वस्थ मानता है। यह किसी भी मरीज के लिए बहुत बड़ा विश्वास होता है।

भारत की राष्ट्रपति, उ0प्र0 की राज्यपाल व मुख्यमंत्री भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली तथा 19 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के समापन समारोह में सम्मिलित हुए

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 28 नवम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली तथा 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के समापन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर राष्ट्रपति जी के समक्ष विभिन्न देशों, राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों, संस्थाओं व संगठनों के स्काउट्स एण्ड गाइड्स की टीमों तथा बैण्ड टीमों ने मार्च पास्ट किया और राष्ट्रपति जी ने सलामी ली। समारोह में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गयी।

समारोह को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने कहा कि हमारे युवा देश के भविष्य निर्माता और संस्कृति के संरक्षक हैं।19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी कार्यक्रम में देशभर के 35,000 से अधिक युवा और 25 देशों के लगभग 2,000 स्काउट्स एंड गाइड्स प्रतिभाग कर रहे हैं। कैडेट्स इस अवसर का उपयोग एक दूसरे को जानने-समझने के लिए करें। अपने अनुभव और सपने एक-दूसरे के साथ साझा करें।राष्ट्रपति जी ने कहा कि भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स की सबसे बड़ी विशेषता उनका सेवा का भाव है। बाढ़, भूकम्प, महामारी जैसी आपदाओं में भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स हमेशा सहायता के लिए सबसे आगे खड़े दिखाई देते हैं। इस संगठन ने राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा दिया है।

> "हमारे युवा देश के भविष्य निर्माता और संस्कृति के संरक्षक
>
> राष्ट्रपति

> "19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी कार्यक्रम ने भारत की संस्कृति, सेवा और एकता का संदेश दिया
>
> राज्यपाल

> "19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी भारत की युवा ऊर्जा का प्रतीक बनी
>
> मुख्यमंत्री

राज्यपाल जी ने कहा कि आप सभी युवा इस देश के वर्तमान भी हो और भविष्य भी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी यही कहते हैं 'युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है'। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2047 का विकसित भारत युवा शक्ति के ही हाथों से आकार लेगा। आपकी ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक सोच इस राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी है। आप ही वह शक्ति हैं, जो इस देश को विश्वगुरु बनाने के मार्ग पर आगे बढ़ाएंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी भारत की युवा ऊर्जा का प्रतीक बनी है। उत्तर प्रदेश में 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजित होना सौभाग्य की बात है। विगत 05 दिनों से प्रदेश की राजधानी लखनऊ भारत की युवा ऊर्जा के अनुशासन, धैर्य व चुनौती को समझने की सामर्थ्य यहां पर देख रही है। जम्बूरी कार्यक्रम की थीम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप 'विकसित युवा विकसित भारत' थी। यहां पर होने वाले एडवेंचर तथा विभिन्न प्रकार की सकारात्मक गतिविधियों ने यहां एक नयी ऊर्जा का संचार किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आयोजकों ने पूरी टीम भावना के साथ इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया है। उत्तर प्रदेश में 61 वर्षों पश्चात राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजित की गयी है। इस जम्बूरी कार्यक्रम ने प्रयागराज महाकुंभ-2025 की यादों का पुनः स्मरण कराया है। प्रयागराज महाकुम्भ में देश-दुनिया के 66 करोड़ श्रद्धालु आए थे और विश्व शांति, एकता व विश्व बन्धुत्व का भाव लेकर गए।

उ0प्र0 आज सकारात्मक विजन के साथ आगे बढ़ रहा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 29 नवम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के 36वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में गीडा के विभिन्न औद्योगिक सेक्टरों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेण्ट की 408 करोड़ रुपये की 114 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने औद्योगिक योजना के आवंटियों को आवंटन पत्र, ओ0डी0ओ0पी0 योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सब्सिडी, ऋण के चेक तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को टूलकिट प्रदान किए। साथ ही, मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश पर आधारित एम0एस0एम0ई0 के ट्रेड शो एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन कर इसका अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद से सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी विस्तार तथा निवेशकों को बेहतर सुरक्षा माहौल के कारण आज उत्तर प्रदेश सकारात्मक विजन के साथ आगे बढ़ रहा है। विगत 08 वर्षों में 500 औद्योगिक इकाइयां गीडा में स्थापित हुई हैं। इनके माध्यम से 11,618 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से 40 हजार नौजवानों को नौकरी प्राप्त हुई हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से 36 वर्ष पूर्व गीडा की स्थापना हुई थी, लेकिन वर्ष 1989 से वर्ष 1998 तक गीडा में औद्योगिक गतिविधियां लगभग शून्य थीं। धरना प्रदर्शन, अराजकता, अव्यवस्था और कार्य न करने की इच्छाशक्ति के कारण गीडा चल नहीं पाया। गोरखपुर का खाद कारखाना भी बंद हो गया था। गोरखपुर में इंसेफेलाइटिस की बीमारी कहर बनकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के बच्चों को निगलती हुई दिखाई देती थी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का यशस्वी नेतृत्व प्राप्त होने के बाद आज हम नये व बदलते भारत को देख रहे हैं। बदलते भारत में उत्तर प्रदेश ने भी तेजी के साथ अपने आप को तैयार किया है। परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार आने के बाद 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतारे जा चुके हैं, जिससे डेढ़ करोड़ नौजवानों को नौकरी व रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। 05 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव इसी दिसम्बर माह में धरातल पर उतारे जाएंगे, जिससे लाखों नौजवानों को नौकरी व रोजगार अपने ही प्रदेश व जनपद में प्राप्त होंगे।

राज्य सरकार द्वारा लोगों को सुरक्षा का वातावरण प्रदान किया गया। गुण्डागर्दी, गुण्डा टैक्स, माफिया राज, अपराध और अपराधियों तथा भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी गयी। परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश कानून-व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टि से देश में एक मॉडल स्टेट के रूप में अपने आपको स्थापित करने में सफल हुआ है। अन्नदाता किसानों के साथ सीधा संवाद करके जमीन का अच्छा मुआवजा देना प्रारम्भ हुआ। सरकार का लक्ष्य है किसी विकास कार्य के लिए किसी गरीब की भूमि की आवश्यकता है, तो उसे अच्छा मुआवजा देकर प्राप्त किया जाए। और किसी भी अन्नदाता किसान के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। किसी भी गरीब को उजाड़ा नहीं जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज देश के 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे के साथ, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, मेट्रो सिटी तथा एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 16 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं, जिनमें 04 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट हैं। 5वां इण्टरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में बनकर तैयार हो चुका है। यह इण्टरनेशनल एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है, जिसका अगले माह में प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से उद्घाटन किया जायेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की पहली रैपिड रेल और इनलैण्ड वॉटर-वे उत्तर प्रदेश में हैं। अब उत्तर प्रदेश बीमारू नहीं, बल्कि भारत की अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश बन चुका है। देश की सबसे तेज विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में आज उत्तर प्रदेश ने अपने आपको स्थापित किया है। आज विभिन्न सेक्टर्स में निवेश आ रहा है। हर निवेश नौकरी की संभावनाओं को विकसित करता है और नये अवसर प्रदान करता है। अकेले गीडा में लगभग 40 हजार नौजवानों को नौकरी मिली है, यही परिवर्तन है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि धुरियापार में रिलायंस समूह का कैम्पा ब्राण्ड यहां की इंडस्ट्रियल टाउनशिप में यूनिट लगाने को तैयार है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे में औद्योगिक गलियारे के लिए 800 एकड़ भूमि उपलब्ध करायी गयी है। इसमें वरुण बेवरेज, कोका कोला, कपिला कृषि उद्योग और प्लास्टिक पार्क, फ्लैटेड फैक्ट्री यहां पर बहुत शीघ्र आयेंगी। नाईलेट के माध्यम से स्किल डेवलपमेन्ट हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार गीडा से लेकर धुरियापार तक औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है। यहां पर 800 एकड़ में अम्बुजा सीमेन्ट तथा श्रेयस डिस्टलरी विकसित होने जा रही है। आने वाले दिनों में देश मे गीडा, औद्योगिक विकास के हब के रूप में अपनी एक नई पहचान बनायेगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौजवानों को यहां न केवल रोजगार प्राप्त होगा, बल्कि स्किल डेवलपमेंट के कार्य को भी आगे बढ़ाया जाएगा। नाईलेट जैसे संस्थान गीडा के साथ एम0ओ0यू0 करके इण्डस्ट्री की डिमाण्ड के अनुरूप स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम को तेजी से आगे बढ़ाने में सफल होंगे।

धान खरीद की गति तेज की जाए, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़ेः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 01 दिसम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में एक उच्चस्तरीय बैठक में धान क्रय के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि केन्द्र पर आने वाले प्रत्येक अन्नदाता किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर उनके खाते में पहुँच जाए। धान खरीद की गति तेज की जाए, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि इस वर्ष कॉमन धान का एम0एस0पी0 2,369 रुपये और ग्रेड-। का 2,389 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये अधिक है। वर्तमान में 4,227 खरीद केन्द्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि क्रय केन्द्रों की संख्या बढ़ाकर 5,000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवम्बर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में प्रेषित की गई है। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री जी ने खरीद केन्द्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि केन्द्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े। उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग और अन्य प्रक्रियाओं का सरलीकरण करने और खरीद को सुचारु और अनवरत बनाए रखने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री जी ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केन्द्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि एफ0आर0के0 सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफ0आर0के0 गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी न होने पाए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

“दिव्यांगजनों के साथ-साथ कुष्ठावस्था पेंशन की राशि को भी ₹2,500 से बढ़ाकर ₹3,000 किया गया है,

कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण के लिए अनुदान राशि ₹10,000 से बढ़ाकर ₹15,000 की गई है...”

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

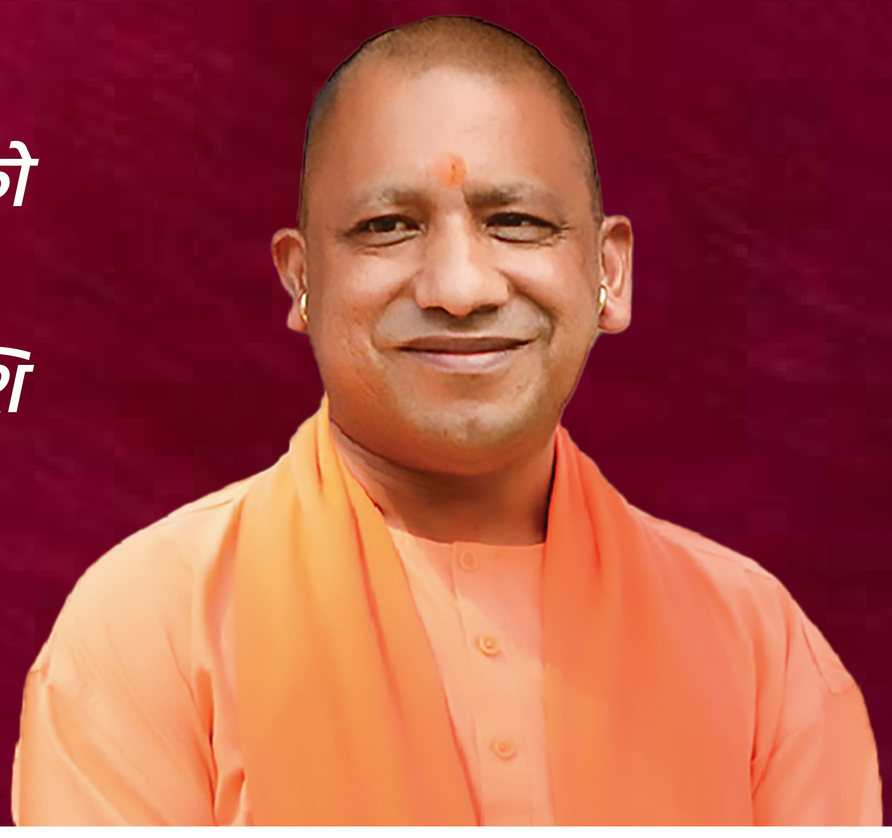

पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से 01 दिसम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष 2023 और वर्ष 2024 बैच के 23 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री जी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को सफल, प्रभावी और सिटीजन सेंट्रिक पुलिस अधिकारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' का मंत्र देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियाँ लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अधिकारी प्रशिक्षण की इस अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपदों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टि परक समाधान कैसे किया जाए। पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पॉण्डर होती है। आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को सलाह दी कि वह प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। थाना पुलिसिंग की नींव है। ह्यूमन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं। मुख्यमंत्री जी ने 'थाना, सर्किल तथा पुलिस लाइन' तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल देते हुए कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री जी ने जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद के विषय में कहा कि यह संवाद गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए। कैजुअल अप्रोच पुलिस अधिकारी के लिए उचित नहीं है। जनप्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं। उनके साथ तालमेल कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाता है।

मुख्यमंत्री जी ने विशेष रूप से महिलाओं के प्रति अपराध, साइबर क्राइम और अवैध ड्रग्स नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए आपकी प्रतिक्रिया और तैयारी भी उतनी ही आधुनिक और त्वरित होनी चाहिए। सभी अधिकारी डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर टूल्स और तकनीक का कुशल उपयोग सीखें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी है। आपका आचरण आने वाले वर्षों में न केवल कानून-व्यवस्था को दिशा देगा, बल्कि प्रदेश की सुरक्षा और जनता के विश्वास को भी मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 03 दिसंबर,2025 को जनपद गोरखपुर की गोला तहसील क्षेत्र के मदरिया निवासी स्व0 राम नेवास की पत्नी श्रीमती देवी को अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम के प्राविधानों के तहत कुल स्वीकृत 08 लाख 25 हजार रुपये की सहायता राशि की पहली किश्त के रुप में 04 लाख 12 हजार 500 रुपये का चेक सौंपा।

काशी तमिल संगमम् भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बना: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 02 दिसम्बर, 2025 को वाराणसी के नमो घाट पर 'काशी तमिल संगमम् 4.0' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी0पी0 राधाकृष्णन का वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। मुख्यमंत्री जी ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के 2000 मंत्रों से युक्त दण्डक्रम पारायण को बिना किसी रुकावट के 50 दिनों में पूरा करने वाले 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में अपने सम्बोधन की शुरुआत में उनगालाई काशीयिल वरावेरकिरोम अर्थात काशी में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में काशी में काशी तमिल संगमम् के चतुर्थ संस्करण का आयोजन हो रहा है। यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के उस संकल्प को सुदृढ़ करने और जीवन्त बनाने वाला है, जो प्रधानमंत्री जी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर देशवासियों को दिया था। मुख्यमंत्री जी ने रामेश्वरम की पावन धरा से पधारे सभी तमिल भाइयों और बहनों का प्रदेश सरकार की ओर से अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक और आध्यात्मिक साझेदारी को सशक्त करते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य के नए द्वार खोल रहा है।प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में चल रहा काशी तमिल संगमम् अभियान ज्ञान, साधना, सांस्कृतिक एकता और हमारी साझा भारतीय सभ्यता को एक नई ऊंचाई पर स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस बार काशी तमिल संगमम् की थीम 'लर्न तमिल' अर्थात 'तमिल करकलाम, आओ तमिल सीखें' है। यह पहल प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में ज्ञान, संस्कृति और भाषा के माध्यम से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को और सुदृढ़ करेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश सरकार ने वोकेशनल एजुकेशन के क्षेत्र में तमिल, कन्नड़, मलयालम, तेलुगू , मराठी और बंगाली भाषाओं को पढ़ाए जाने की व्यवस्था की है। राज्य के वोकेशनल एजुकेशन के छात्र अपनी रुचि के अनुसार किसी एक भाषा का चयन करेंगे, सरकार उसका पूरा खर्च उठाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नयनार और अलवार की शैव-वैष्णव भक्ति परम्परा तमिल सभ्यता की आध्यात्मिक समृद्धि को दर्शाती है। कैलाश, काशी तथा चिदंबरम अपराजित शिव भक्ति के प्रतीक हैं। चेट्टियार समाज विगत 200 वर्षों से श्रीकाशी विश्वनाथ मन्दिर में पूजन सामग्री उपलब्ध कराता है। त्रिवेणी संगम के जल से रामेश्वरम के श्री रामनाथ स्वामी और कोडीतीर्थम के जल से श्रीकाशी विश्वनाथ के अभिषेक की परम्परा अब हर माह नियमित रूप से आगे बढ़ रही है। काशी के केदार घाट, हनुमान घाट और हरिश्चन्द्र घाट के आसपास आज भी तमिल परम्परा की जीवन्त उपस्थिति दिखाई देती है। आई0आई0टी0 मद्रास और बी0एच0यू0 की संयुक्त शिक्षा योजनाएं बौद्धिक और राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रेरक कदम है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में काशी में श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के निर्माण के उपरान्त भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक आस्था को नई ऊंचाई मिली है। विगत 04 वर्षों में 26 करोड़ से अधिक श्रद्धालु काशी में पधारे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु प्रतिवर्ष श्री रामेश्वरम धाम, मदुरई और कन्याकुमारी का दर्शन करने के लिए जाते हैं। इन पवित्र स्थलों का दर्शन करने के लिए विशेष यात्रा का आयोजन उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग करेगा। जो भी वहां जाना चाहेगा, रियायती दर पर उनकी यात्रा की व्यवस्था करने के लिए प्रदेश सरकार सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह आयोजन भारत के लोगों के लिए भविष्य का एक निवेश है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में काशी तमिल संगमम् भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुका है। मुख्यमंत्री जी ने यह आशा व्यक्त की कि सभी यहां से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को अपने साथ लेकर जाएंगे।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजनरी नेतृत्व में 'काशी तमिल संगमम्' देश के दो अलग-अलग भागों की संस्कृतियों के बीच एक नॉलेज ब्रिज की स्थापना करता है। आज काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण का शुभारम्भ हुआ है। यह एक जनआन्दोलन बन चुका है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों से औपनिवेशिक मानसिकता से उबरने का आह्वान किया है। भाषा इसका एक प्राथमिक साधन है। भारत एक बहुभाषी देश है। हमें एक दूसरे की सांस्कृतिक विविधताओं का सम्मान करना चाहिए।

कई शताब्दियों पहले लोग उत्तर भारत से रामेश्वरम, तमिलनाडु का भ्रमण करने जाते थे। इसी प्रकार दक्षिण भारत के लोग श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए जाते थे। इसमें भाषा किसी भी प्रकार का अवरोध नहीं उत्पन्न करती थी।

इस अवसर पर तमिलनाडु के राज्यपाल श्री आर0एन0 रवि, पुडुचेरी के उपराज्यपाल श्री के0 कैलाशनाथन, केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ0 एल0 मुरुगन, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री श्री अनिल राजभर, स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवीन्द्र जायसवाल, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

दिव्यांगजन किसी से कम नहीं हैं, उनकी हिम्मत प्रतिभा और सफलता नए भारत की शक्ति है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 03 दिसम्बर, 2025 को यहां विश्व दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 व्यक्तियों/संस्थाओं/नियोक्ताओं एवं सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कार्मिकों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किये। कार्यक्रम में उन्होंने 500 दिव्यांगजन को ट्राई-साइकिल, सहायक उपकरण, दिव्यांग बच्चों को पाठ्य सामग्री तथा विशेष विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को टैबलेट एवं प्रमाण-पत्र वितरित किये।मुख्यमंत्री जी ने अन्य पिछड़ा वर्ग के कक्षा 09 से 12 तक के 5,33,285 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण-पत्र के क्रम में कुछ छात्र-छात्राओं को स्वीकृति प्रमाण-पत्र प्रदान किये। उन्होंने कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र, शादी अनुदान योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति-पत्र वितरित किए।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दिव्यांगजन किसी से कम नहीं हैं। उनकी हिम्मत, प्रतिभा और सफलता नए भारत की शक्ति है। उनके साथ सरकार और समाज मजबूती से खड़े हैं। हमें संवेदनशील व सहायक बनते हुए दिव्यांगजन के लिए बैरियर-फ्री इण्डिया बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन ईमानदारी से करना होगा।आज इस दिशा में नया प्रयास प्रारम्भ किया गया है। सरकारी भवनों, परिवहन और सार्वजनिक स्थलों को बैरियर-फ्री बनाया जा रहा है। प्रत्येक स्तर पर शिक्षा व्यवस्था को सुलभ बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। दिव्यांगजन के कल्याण के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने दिव्यांगजन के विषय में लोगों की दृष्टि को परिवर्तित किया है। उन्होंने देशवासियों के सामने यह विचार रखा कि यदि कहीं अभाव है, तो ईश्वर ने उसकी प्रतिपूर्ति भी की है। हो सकता है कि शारीरिक रूप से उसका कोई अंग कमजोर हो, लेकिन वह मानसिक रूप से परिपक्व है। आज प्रदेश में 11 लाख से अधिक दिव्यांगजन पेंशन की सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। पेंशन की राशि 300 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दी गयी है। डी0बी0टी0 के माध्यम से यह धनराशि सीधे उनके खाते में जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में दिव्यांगजन के लिए अलग-अलग स्थानों पर अनेक केन्द्र स्थापित किए गए हैं। पहले दिव्यांगजन को व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल, ब्लाइंड स्टिक, हियरिंग-एड आदि मिलना बहुत कठिन कार्य होता था। वर्ष 2014 के पश्चात एलिम्को, कानपुर को प्रेरित कर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र (डी0डी0आर0सी0) को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का काम किया गया है। कल निर्णय लिया गया है कि प्रदेश सरकार के संसाधनों से प्रथम चरण में प्रत्येक मण्डल मुख्यालय पर डी0डी0आर0सी0 की स्थापना एवं संचालन किया जाएगा। इन केन्द्रों के माध्यम से दिव्यांगजन को सहायक उपकरण सहित अन्य प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में दिव्यांगजन को ब्रेल लिपि व साइन लैंग्वेज का प्रशिक्षण, रैम्प, छात्रवृत्ति, सहायक उपकरण, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण आदि सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्हें कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार, उद्यमिता और सरकारी नौकरियों में अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। प्रदेश में दिव्यांगजन हेतु राज्याधीन सेवाओं में 04 प्रतिशत तथा राज्याधीन शिक्षण संस्थानों में 05 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार के विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यू0डी0आई0डी0) पोर्टल पर अब तक प्रदेश के 19,74,984 दिव्यांगजन के पंजीकरण के सापेक्ष 16 लाख 23 हजार से अधिक कार्ड निर्गत किये गये हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कुष्ठ रोग से ग्रसित दिव्यांगजन की पेंशन राशि 2,500 रुपये प्रतिमाह प्रति लाभार्थी को बढ़ाकर 03 हजार रुपये प्रतिमाह प्रति लाभार्थी किया गया है। कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण योजना के अन्तर्गत दिव्यांगजन को अनुमन्य 10,000 रुपये का अनुदान बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दिया गया है। स्मार्टफोन, टैबलेट, डे0जी0 प्लेयर जैसे आधुनिक सहायक उपकरणों को प्रदान करने की व्यवस्था की गयी है। दिव्यांगजनों को अब तक 3,84,000 से अधिक कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरणों का वितरण किया जा चुका है। शल्य चिकित्सा अनुदान योजनान्तर्गत प्रति लाभार्थी अनुदाशि राशि 8,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कॉक्लियर इम्प्लाण्ट योजनान्तर्गत मूकबधिर बच्चों में शल्य चिकित्सा द्वारा कॉक्लियर इम्प्लाण्ट कराया जाता है। इससे यह बच्चे पढ़ने और सुनने योग्य बन जाते हैं। इस वर्ष प्रदेश सरकार ने 108 ऐसे बच्चों में कॉक्लियर इम्प्लाण्ट हेतु धनराशि उपलब्ध कराई है। आज के कार्यक्रम में उन बच्चों को सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। वह एक सामान्य बच्चे की तरह ही वार्तालाप कर रहे थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आश्रयहीन मानसिक दिव्यांगजन के लिए बरेली, मेरठ, गोरखपुर और लखनऊ में 50-50 की आवासीय क्षमता से युक्त राजकीय मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र संचालित हैं। जनपद चित्रकूट तथा बांदा में आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र संचालित करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के 16 जनपदों में 24 स्वैच्छिक संस्थानों द्वारा मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से लेकर अब तक 6,100 से अधिक दिव्यांग दम्पत्तियों को विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया है। 8,835 दिव्यांगजन को स्वरोजगार के लिए धनराशि दी गयी है। प्रदेश में 03 से 07 वर्ष के दिव्यांग बच्चों की प्री-स्कूल रेडीनेस हेतु 18 मण्डलीय जनपदों में बचपन डे केयर सेंटर संचालित किये जा रहे हैं। बड़े मण्डलों के अगल-बगल के जनपदों में इन सेण्टरों को बढ़ाने तथा लोगों को इनके प्रति जागरूक किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष विद्यालय बनाए गए हैं, जिनमें शारीरिक रूप से अक्षम बालकों के लिए राजकीय विद्यालय 'प्रयास', राजकीय मूकबधिर विद्यालय 'संकेत', मानसिक रूप से चुनौतीग्रस्त बालकों-बालिकाओं का राजकीय विद्यालय 'ममता' तथा राजकीय दृष्टिबाधित विद्यालय 'स्पर्श' सम्मिलित है। उत्तर प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां दिव्यांगजन की उच्च शिक्षा के लिए सरकार द्वारा 02 विश्वविद्यालय पूरी तरह संचालित किये जा रहे हैं। इनमें डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ और जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट में स्थित है।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में 02 दिसंबर, 2025 को मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

जनपद अयोध्या में विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण एवं संचालन कराये जाने के सम्बन्ध में मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदत्त अनुमोदन के अनुपालन में जनपद अयोध्या स्थित तहसील सदर के ग्राम मांझा जमथरा की नजूल भूमि गाटा-57 मि0 क्षेत्रफल 25 एकड़ में टाटा ग्रुप के सहयोग से सी0एस0आर0 फण्ड के माध्यम से विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन हेतु 01 रुपये वार्षिक धनराशि की दर पर भूमि 90 वर्ष के लिये दिये जाने हेतु संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश शासन एवं टाटा संस प्रा0लि0 के मध्य त्रिपक्षीय एम0ओ0यू0 दिनांक 03 सितम्बर, 2024 को हस्ताक्षरित किया गया है। तदनुक्रम में ग्राम मांझा जमथरा, परगना हवेली अवध, तहसील सदर, जनपद अयोध्या की राजकीय नजूल भूमि गाटा संख्या गाटा-57 मि0 व 1 मि0 क्षेत्रफल 25 एकड़ के अतिरिक्त 27.102 एकड़, कुल 52.102 एकड़ भूमि का निःशुल्क हस्तांतरण आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, 30प्र0 से पर्यटन विभाग के पक्ष में किये जाने के प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है।

सेवायोजित अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण शिविर आदि में प्रतिभाग करने की अवधि एवं आवागमन में लगने वाले समय को ड्यूटी मानने का प्रस्ताव स्वीकृत

मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022 के अन्तर्गत सेवायोजित खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण शिविर आदि में प्रतिभाग किये जाने की अवधि एवं आवागमन में लगने वाला समय कर्तव्यार्थ व्यतीत अवधि (ड्यूटी) माने जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा, वाराणसी के संचालन, प्रबंधन तथा रख-रखाव एवं तत्सम्बन्धी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराये गये एम0ओ0यू0 का आलेख्य स्वीकृत

मंत्रिपरिषद ने डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा, वाराणसी के संचालन, प्रबंधन तथा रख-रखाव एवं तत्सम्बन्धी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराये गये एम0ओ0यू0 के आलेख्य सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

जनपद बागपत में पी0पी0पी0 मोड पर अंतरराष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केन्द्र विकसित, संचालित तथा अनुरक्षित करने का प्रस्ताव अनुमोदित

मंत्रिपरिषद ने जनपद बागपत की तहसील व परगना बागपत के ग्राम हरिया खेड़ा में पर्यटन विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जा रही कुल 70.885 हेक्टेयर भूमि पर गैर लाभकारी संगठन अथवा अन्य संस्थाओं के माध्यम से पी0पी0पी0 मोड पर अन्तरराष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केन्द्र विकसित, संचालित तथा अनुरक्षित किये जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है।

मंत्रिपरिषद द्वारा जनपद बागपत में अन्तरराष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केन्द्र स्थापित किये जाने के लिए, पूर्व से कार्यरत विभागीय ट्रान्जेक्शन एडवाइजरी फर्म द्वारा तैयार किये गये। आर0एफ0पी0 निविदा प्रपत्रों के नियम एवं शर्तां तथा ड्राफ्ट कन्सेशन एग्रीमेण्ट का ड्राफ्ट भी अनुमोदित किया गया है। इसके अलावा ग्राम हरिया खेड़ा, जनपद बागपत में ग्राम सभा की 2.061 हेक्टेयर भूमि पर्यटन विभाग को निःशुल्क हस्तान्तरित किये जाने के प्रस्ताव को भी मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है।

कानपुर स्थित 14/112, सिविल लाइन दि जार्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की 45,000 वर्ग मी0 नजूल भूमि मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल स्थापित किये जाने हेतु कानपुर विकास प्राधिकरण को निःशुल्क आवंटित/हस्तान्तरित किये जाने का प्रस्ताव स्वीकृत

मंत्रिपरिषद ने कानपुर स्थित 14/112, सिविल लाइन दि जार्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की 45,000 वर्गमीटर नजूल भूमि को मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल स्थापित किये जाने हेतु कानपुर विकास प्राधिकरण, कानपुर को कतिपय शर्तां एवं प्रतिबन्धों के अधीन, तथा प्रभावी जिलाधिकारी सर्किल दर पर छूट प्रदान करते हुए, निःशुल्क आवंटित/हस्तान्तरित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। यह हस्तान्तरण अपवाद स्वरूप होगा तथा इसे भविष्य में दृष्टान्त के रूप में नहीं माना जाएगा।

प्रदेश के प्रत्येक मण्डल मुख्यालय पर 'जिला दिव्यांगपुनर्वास केन्द्र' की स्थापना एवं संचालन के सम्बन्ध में

मंत्रिपरिषद ने प्रथम चरण में प्रदेश के प्रत्येक मण्डल मुख्यालय पर 'जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र' (डी0डी0आर0सी0) की स्थापना एवं संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से किये जाने के प्रस्ताव तथा इस सम्बन्ध में प्रस्तावित कार्ययोजना को अनुमोदित कर दिया है।

अमृत-2.0 योजना के अन्तर्गत नगर निगम कानपुर में ईस्ट एवं साउथ सर्विस डिस्ट्रिक्ट हेतु पेयजल पाइपलाइन विस्तार प्रायोजना एवं 31678.88 लाख रु0 लागत का व्यय प्रस्ताव स्वीकृत

मंत्रिपरिषद ने अटल नवीकरण और शहरी रुपान्तरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) योजना के अन्तर्गत जनपद कानपुर नगर के नगर निगम कानपुर में पेयजल योजना के ईस्ट एवं साउथ सर्विस डिस्ट्रिक्ट हेतु पाइपलाइन विस्तार से सम्बन्धित प्रायोजना तथा व्यय वित्त समिति द्वारा उसकी अनुमोदित लागत 31678.88 लाख रुपये (जी0एस0टी0 एवं सेन्टेज सहित) के व्यय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

अमृत-2.0 योजना के अन्तर्गत नगर निगम बरेली में पेयजल पुनर्गठन योजना फेज-01से सम्बन्धित प्रायोजना तथा उसकी लागत 26595.46 लाख रु0 का व्यय प्रस्ताव स्वीकृत

मंत्रिपरिषद ने अटल नवीकरण और शहरी रुपान्तरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) योजना के अन्तर्गत जनपद बरेली के नगर निगम बरेली में पेयजल पुनर्गठन योजना फेज-01 से सम्बन्धित प्रायोजना तथा व्यय वित्त समिति द्वारा उसकी अनुमोदित लागत 26595.46 लाख रुपये (जी0एस0टी0 एवं सेन्टेज सहित) के व्यय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

उ0प्र0 औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2017 के अन्तर्गत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित इम्पावर्ड कमेटी की 15 मई, 2025 की बैठक की संस्तुतियाँ अनुमोदित

मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2017 के अन्तर्गत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित इम्पावर्ड कमेटी की 15 मई, 2025 को सम्पन्न बैठक में की गयी संस्तुतियों को अनुमोदित किया है।

जनपद चन्दौली में चन्दौली सकलडीहा सैदपुर मार्ग (राज्य मार्ग-69) के चैनेज-0.000 से चैनेज 29.670 तक 04 लेन में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण (लम्बाई 29.672 कि0मी0) कार्य की पुनरीक्षित प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में

मंत्रिपरिषद ने जनपद चन्दौली में चन्दौली सकलडीहा सैदपुर मार्ग (राज्य मार्ग-69) के चैनेज-0.000 से चैनेज 29.670 तक 04 लेन में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण (लम्बाई 29.672 कि0मी0) की सम्पूर्ण परियोजना एवं व्यय-वित्त समिति द्वारा अनुमोदित पुनरीक्षित लागत 49147.24 लाख रुपये (चार अरब इक्यानवे करोड़ सैतालिस लाख चौबीस हजार रुपये) के व्यय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है।